हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 23 फरवरी 2026

11 बीड़ बबरान धाम की पैदल निशान यात्रा में सैकड़ों...

12 भावनाओं, स्मृतियों व उपलब्धियों का अवसर है...

खबर संक्षेप

मुख्य नशा तस्कर सहित दो पकड़े, हेरोइन बरामद

हिसार। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स स्टाफ ने टीम प्रभारी इंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुख्य नशा तस्कर सहित दो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद किया है। पहले मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान आर्य नगर निवासी चंचल के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चंचल गांव पीरांवाली निवासी सुनील उर्फ सुमित से नशीला पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) लेकर उसकी सप्लाई व बिक्री का कार्य करता था। पुलिस टीम ने आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से 11 ग्राम 700 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में सप्लायर पीरांवाली निवासी सुनील उर्फ सुमित को भी काबू कर लिया है। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मां-बेटी और एक युवती लापता, मामला दर्ज

नारनौंद। नारनौंद क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से मां-बेटी और एक युवती लापता हैं। इनमें एक महिला के साथ उसकी तीन वर्षीय बेटी भी लापता है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर अलग-अलग थानों में गुमशुदगी के केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थुराना निवासी एक व्यक्ति ने नारनौंद थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 22 वर्षीय विवाहित बेटी, जो मायके आई हुई थी, अपनी तीन वर्षीय बेटी को दवाई दिलवाने हिसार गई थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने अपने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। दूसरा मामला गांव उगालन का है। उगालन निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी कि उसकी 19 वर्षीय बेटी, जो कॉलेज में सेकंड ईयर की छात्रा है। शनिवार सुबह वह कॉलेज के लिए घर से निकली थी। वह भी शाम तक वापस नहीं लौटी।

दिग्विजय चौटाला कल पेटवाड़ में

नारनौंद। जननायक जनता पार्टी 13 मार्च को हांसी में जनता के मुद्दों की लड़ाई को लेकर रैली का आयोजन करेगी। इसको लेकर जजपा के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला 24 फरवरी को गांव पेटवाड़ में कार्यकर्ताओं से रूबरू होकर रैली का निमंत्रण देंगे। युवा जिला अध्यक्ष हर्ष पेटवाड़ ने बताया की रैली के लिए 24 फरवरी को निमंत्रण देने के लिए पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला हल्के के गांव सिंघवा खास, मदन हेड़ी, सीसर, खरबला, रोशन खेड़ा, पेटवाड़, बास, नारनौंद, माजरा, राजपुरा आदि गावों में जनसभा करके कार्यकर्ताओं को 13 मार्च को हांसी रैली में पहुंचने का न्यौता देंगे। इस दौरान उनके साथ जिला प्रधान अमित बूरा, हल्का प्रधान ईश्वर सिंघवा भी मौजूद रहेंगे।

जीएम के निर्देशों पर भी सब मीटर नहीं करवाए जमा, एसपी को लिखा पत्र

सब मीटर बदलवाकर रोडवेज को चूना लगाने वालों पर दर्ज होगी एफआईआर

मुख्यालय के कड़े निर्देशों के बावजूद जिम्मेवारों को बचाने के हो रहे प्रयास

राजेश्वर बैनीवाल ▶▶ हिसार

राज्य परिवहन के हिसार डिपो में अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से बिजली के सब मीटर बदलावकर रोडवेज को हजारों का चूना लगाने वाले अब पुलिस के राडार पर आ गए हैं। मुख्यालय से मिले कड़े निर्देशों के बाद रोडवेज महाप्रबंधक राहुल मित्तल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर मीटर चोरी करने व बदलने वालों पर एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा की है। इससे पहले महाप्रबंधक ने संबंधित कर्मचारियों को सब मीटर जमा करवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन उनकी कान पर जूं तक नहीं रेंगी।

पत्र लिखने के बावजूद जीएम राहुल मित्तल सब मीटर बदलकर विभाग को चूना लगाने वालों का बचाव करते नजर आ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में रोडवेज महाप्रबंधक ने कहा है कि बस अड्डे की दुकान नंबर 2 के ठेकेदार अनिल कुमार ने दुकान नंबर 8 व 9 के बिजली सब मीटर चोरी करने व बदलवाने की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए तथ्यों के आधार पर दुकान नंबर 8 व 9 के ठेकेदार ने अपने स्तर पर या विभाग के अधिकारियों या कर्मचारियों की मिलीभगत से बदलवाए गए सब मीटरों को ठेकेदार या डिपो से प्राप्त करके उनकी वास्तविक रीडिंग अनुसार दुकान नंबर 8 व 9 के ठेकेदार से बिजली का बिल भरवाया जाए। जीएम के पत्र में कहा गया है कि यदि पुराने सब मीटर प्राप्त नहीं होते हैं तो मीटर बदलवाने या बदलने के जिम्मेवार अधिकारी, कर्मचारी या ठेकेदार पर कार्रवाई अमल में लाई जाए।

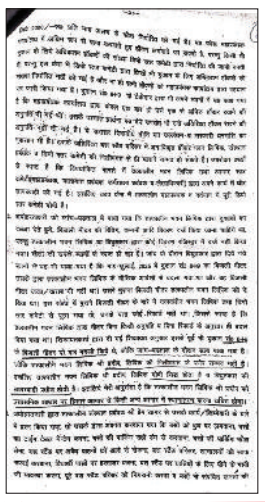

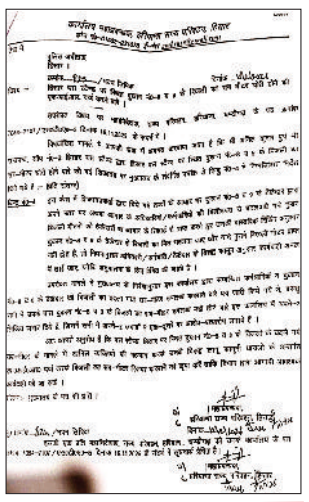

यह था मामला

रोडवेज डिपो में सब मीटर बदलकर विभाग को चूना लगाने का मामला उस समय सामने आया जब बस अड्डे की दुकान नंबर 8 व 9 का बिजली बिल लगभग डेढ़ लाख रुपये आया। डिपो सूत्रों के अनुसार इस डेढ़ लाख के बिल को कम करने की जुगत लगाते हुए उक्त ठेकेदार ने विभाग के कर्मचारियों से सेंटिंग की और ज्यादा रीडिंग वाला मीटर बदलवाकर दूसरा लगवा दिया, लेकिन वह चला नहीं। जब दूसरा मीटर चला नहीं तो तीसरा लगाने की जरूरत पड़ी और इसी दौरान यह किसी के ध्यान में आ गया तो उसने शिकायत कर दी। इसी शिकायत पर धीमी गति से कार्रवाई चल रही है। सूत्रों ने बताया कि जिस दुकान नंबर 8 व 9 के सब मीटर बदलने का मामला चल रहा है, वहां बड़े शातिराना अंदाज में मीटर बदले गए हैं। पहले यहां जयपुर कंपनी का मीटर लगा था, दूसरा क्राइओन का लगाया गया और अब फिलहाल तीसरा मीटर सिम्मा कंपनी का चल रहा है।

एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए

जीएम ने एसपी को लिखे पत्र में कहा है कि मुख्यालय द्वारा की गई जांच के बाद मिले निर्देशों के अनुसार संबंधित कर्मचारियों व दुकान नंबर 8 व 9 के ठेकेदार को बदले गए सब मीटर उपलब्ध करवाने बारे निर्देश दिए गए थे। सभी ने सब मीटर अपने पास न होने की बात कहते हुए कार्यालय को अपने-अपने लिखित जवाब दिए, जिसमें सभी ने अपने-अपने जवाबों में एक-दूसरे पर ही आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। एसपी को लिखे पत्र में जीएम ने संबंधित कर्मचारियों व ठेकेदार को लिखे पत्र भी संलग्न किए हैं।

जिम्मेवारों को बचाने के प्रयास

हालांकि जीएम राहुल मित्तल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली है लेकिन वे सब मीटर बदलने के जिम्मेवार लोगों को सरेआम बचाते नजर आ रहे हैं। विभाग के उच्चाधिकारियों की ओर से करवाई गई जांच के बाद जिम्मेवार कर्मचारियों का पूर्ण रूप से हवाला देते हुए उन पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जीएम ने मुख्यालय के पत्र को दरकिनार करके अपने पत्र में उन जिम्मेवारों के नाम तक नहीं लिखे।

मीटर जमा करवाने के निर्देश

विभाग के उच्चाधिकारी दिलबाग सिंह ने मामले में कार्रवाई करते हुए हिसार डिपो महाप्रबंधक को निर्देश दिए कि हिसार बस अड्डे पर लगे सभी पुराने मीटरों को तुरंत जमा करवाया जाए ताकि उनकी रीडिंग देखकर ढुकानदार से बिल भरवाया जा सके। इसके साथ ही मीटर बदलने वाले ढुकानदार पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। मुख्यालय के निर्देश मिलते ही महाप्रबंधक ने अपने अधीनस्थों को निर्देशों व पॉलिसी के अनुसार कार्रवाई के लिए लिखा लेकिन मुख्यालय व महाप्रबंधक के आदेश तीन माह बाद तक भी धूल फांक रहे हैं।

तत्कालीन भवन लिपिक व दुकानदार के इर्द-गिर्द घूम रही पूरी सुई

मुख्यालय के निर्देशों के बाद डिपो पर चल रही धीमी कार्रवाई का फायदा अब इस मामले से जुड़े कर्मचारी व ढुकानदार उठा रहे हैं। मुख्यालय के निर्देशानुसार इलेक्ट्रिशियन, भवन लिपिक, तत्कालीन संस्थान व संबंधित ढुकान के ठेकेदार मयंक पर कार्रवाई की जानी थी लेकिन अब ये एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। सूत्रों की माने तो इलेक्ट्रिशियन का कहना है कि उसने ये मीटर भवन लिपिक को दे दिए, तत्कालीन एसएस का कहना है कि मीटर बदलने का मामला उनके ध्यान में नहीं है। ऐसे में अब पूरी सुई तत्कालीन भवन लिपिक व उक्त ढुकानदार के इर्द-गिर्द घूम रही है। इनका यह खेल चलते भी काफी लंबा समय हो गया है।

जींद निवासी पूनम का था मोठ माइनर में मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

नारनौंद के पास मोठ माइनर में मिले महिला के शव की पहचान रविवार को शव की पहचान जींद निवासी पूनम के रूप में हुई। जींद के हकीकत नगर निवासी मृतका के बेटे ने बताया कि शुक्रवार को उसकी माता 50 वर्षीय पूनम देवी किसी कार्य के लिए नहर पर गई थी और वहीं पर उसका पांव फिसल गया होगा। शाम तक वह घर नहीं पहुंची आसपास उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। रविवार को सोशल मीडिया पर एक फोटो देखा तो उनकी पहचान हुई। उसके बाद नारनौंद पुलिस थाने में संपर्क किया गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है।

वह मानसिक रूप से परेशान रहती थी। उसके के दो बेटे हैं। एक बेटा विदेश में रहता है। मामले के अनुसार शनिवार की सुबह नारनौंद के पास मोठ माइनर में एक 50 वर्षीय महिला का शव बहता हुआ आगे जा रहा था। खेतों में किसानों ने उसको देखा तो आसपास के अन्य लोगों को बुलाकर शव को निकाला। तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में उसकी पहचान के लिए उसके कपड़ों को देखा, लेकिन कुछ नहीं मिला था। थाना प्रभारी सदानंद ने बताया कि महिला के शव की पहचान हो गई है। महिला के बेटे के बयान पर इत्फाकिया कार्रवाई की गई है।

रेप केस में तीन आरोपी बरी

- 4 साल पुराने मामले में अदालत ने साक्ष्य पाए अपर्याप्त

हिसार। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय सुनील जिंदल की अदालत ने चार वर्ष पुराने दुष्कर्म प्रकरण में तीन आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

आरोपी पक्ष के वकील प्रवीन सिवाच ने बताया कि कोर्ट ने सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के परीक्षण के बाद यह निर्णय दिया। मामला वर्ष 2021 में दर्ज हुआ था। अभियोजन के अनुसार पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री रात के समय घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने आसपास खोजबीन की तो गांव का एक युवक भी गायब मिला। इस पर आशंका जताई गई कि वह किशोरी को अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपहरण से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने किशोरी को चंडीगढ़ से बरामद किया। अदालत में दिए बयान में पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसे रोहतक ले जाकर दुष्कर्म किया गया और बाद में अन्य स्थानों पर भी रखा गया। पुलिस ने मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया था। आरोपी पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि सुनवाई के दौरान पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत न होने पर अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए तीनों आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया।

सेक्टर 9-11 में देर शाम दिल दहला देने वाली वारदात

बीच-बचाव करना पड़ा भारी: प्रॉपर्टी डीलर की चाकू मारकर हत्या, एक आरोपी हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दिल्ली रोड स्थित सेक्टर 9-11 के पास रविवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात में करीब 60 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर कलम सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वे सड़क पर हो रही मारपीट को रोकने के लिए आगे आए थे, लेकिन नशे में धुत हमलावरों ने उन पर ही जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीन युवक एक व्यक्ति की पिटाई कर रहे थे। उसी दौरान वहां पहुंचे कलम सिंह ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। आरोप है कि हमलावरों ने गुस्से में आकर तेजधार हथियार से उनके गले और सीने पर कई वार किए। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग सहम गए। घायल अवस्था में कलम सिंह को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद दो आरोपी बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि हमलावर मच्छी मार्केट क्षेत्र से नशे की हालत में सेक्टर 9-11 की ओर आए थे। मृतक कलम सिंह मूल रूप से लाडवा के रहने वाले थे और वर्तमान में दयानंद कॉलोनी में रह रहे थे। वे 'अमन प्रॉपर्टी डीलर' नाम से रियल एस्टेट का कार्य करते थे। घटना की सूचना मिलते ही अर्बन स्टेट थाना पुलिस और सीआईए टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है तथा फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

मृतक कमल सिंह व एक हत्यारोपी

भाई के साथ दुकान पर बैठे युवक पर गंडासी से हमला, सोने की चेन छीनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

नजदीकी गांव कैमरी में पुरानी कहासुनी के चलते पांच युवकों ने एक अन्य युवक पर हमला करके उसे घायल कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के दौरान गंडासी और ईंट से वार किया तथा गले से करीब चार तोले की सोने की चेन भी छीन ली। शिकायतकर्ता लगभग 25 वर्षीय सावन ने बताया कि शनिवार सुबह वह और उसका भाई अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान सुनील, अरुण, अमित, विजय और रोहित वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सुनील ने उसके मुंह पर घूंसा मारा, विजय ने ईंट से वार किया और रोहित ने गंडासी से हमला करने की कोशिश की। बचाव के दौरान गंडासी उसके हाथ की उंगली पर लगी। शिकायतकर्ता ने बताया कि शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। बाद में पता चला कि उसके गले से सोने की चेन गायब है। आजाद नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज करके एएसआई विनय कुमार को जांच का जिम्मा सौंपा है।

सिसाय फ्लाईओवर पर कार की टक्कर लगने से बाइक सवार वकील की मौत

- काफी समय से हांसी में रह रहे थे सिसाय निवासी एडवोकेट रमेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

शहर के सिसाय फ्लाईओवर पर रविवार को एक सड़क हादसे में बुलेट सवार वकील रमेश कुमार की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे हेलमेट में दरार आ गई और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सिसाय गांव के रमेश कुमार के रूप में हुई है। वह पिछले करीब पांच वर्षों से अपने परिवार के साथ हांसी की वकील कॉलोनी में रह रहे थे। रमेश पेशे से वकील होने के साथ-साथ खेतीबाड़ी भी करते थे और हांसी बार एसोसिएशन के सदस्य थे।

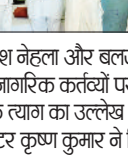

जानकारी के अनुसार रमेश कुमार सिसाय में आयोजित मन की बात कार्यक्रम में अपने पिता को छोड़कर बुलेट पर हांसी लौट रहे थे। कार्यक्रम में सांसद सुभाष बराला भी मौजूद थे। जैसे ही वह सिसाय फ्लाईओवर से हिसार की तरफ मुड़कर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायल रमेश को तुरंत हांसी के सामान्य अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रमेश कुमार अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। उनके दोनों बच्चे राजस्थान में पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी गृहिणी हैं। रमेश कुमार अपनी पांच बहनों में इकलौते भाई थे। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण, रिश्तेदार और परिचित हांसी के सामान्य अस्पताल पहुंचने लगे, जिससे माहौल गमगीन हो गया।

मलिक हत्याकांड में दो और पकड़े

हांसी। हांसी में प्रॉपर्टी एडवाइजर और पूर्व पंचायत सेक्रेटरी सुभाष मलिक हत्याकांड में पुलिस ने दो और फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

सीआईए सब इंस्पेक्टर कपिल कुमार ने बताया कि हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए एक स्पेशल टीम बनाई गई थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भैणी महाराजपुर निवासी गुरमीत को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पुलिस ने पवन, महेंद्र और गुरदीप को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने अब फरार चल रहे आरोपी मध्य प्रदेश निवासी आकाश और संजू को भी पकड़ लिया है। दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर जिले में तीन स्थानों पर हुए आयोजन

संतों के सान्निध्य में हुआ हिन्दू सम्मेलन समाज को दिया एकजुट होने का संदेश

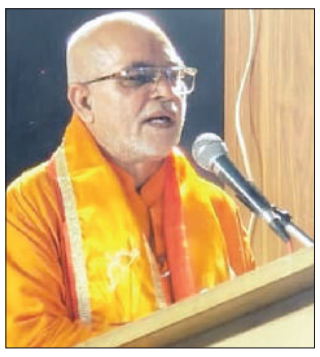

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते स्वामी परमात्मानंद सरस्वती।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सम्मेलन में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थितजनों का मन मोहा

हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति की ओर से सेक्टर 16-17 स्थित इंडस पब्लिक स्कूल में भव्य हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भारी संख्या में सेक्टर व आसपास से पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग, युवा व बच्चे उपस्थित हुए। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में से एक इस हिन्दू सम्मेलन के आयोजन का उद्देश्य सनातन हिन्दू धर्म के प्रति नव जागरण था। सम्मेलन को संतवृंद व अनेक प्रबुद्ध वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित हुए महामण्डलेश्वर 1008 स्वामी परमात्मानंद सरस्वती, स्वयं सेवक संघ के जिला कार्यवाह सतीश कुमार, कार्यक्रम के संयोजक दिलबाग सांगवान सहित अन्य प्रबुद्धजनों ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंच का संचालन सुनील दत्त ने किया।

सम्मेलन में कपिश्वर धाम से उपस्थित हुईं साध्वी सुजाता ने अपने संबोधन में हिन्दुओं से एकजुट होने का आह्वान किया। कपिश्वर धाम आश्रम से स्वामी चन्द्रदेव ने भी उपस्थित जनसमूह से एकजुट रहकर राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने का आह्वान किया। जिला कार्यवाह सतीश कुमार ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना एवं उसके उद्देश्यों से आम जन मानस को विस्तारपूर्वक अवगत करवाया। कार्यक्रम के आयोजन में सभी स्वयंसेवकों व समस्त हिन्दू समाज सैक्टर-16-17 का योगदान रहा। कार्यक्रम में भजन गायिकाओं आरती एवं रागिनी उपाध्याय ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए एवं इंडस पब्लिक स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत सुनाया। दो अन्य बच्चों पृषा एवं प्रणव गौतम ने भी सराहनीय प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद की व्यवस्था की गई।

देवी भवन बस्ती ने किया कार्यक्रम

हिसार। महर्षि वाल्मीकि जागृति मंच, देवी भवन बस्ती ने गोयनका सेवा सदन में हिंदू सम्मेलन किया। अध्यक्ष अवनिंद्र बंसल रहे, जबकि अरुण सिंघल, सतीश वत्स, स्वामी चन्द्रादेव (कपि शंकर धाम) व साध्वी सुजाता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण से आरंभ हुआ। भजन, गणेश वंदना, हनुमान चालीसा व गीता श्लोक प्रस्तुत हुए। अंत में भीमसेन ने धन्यवाद ज्ञापित किया, संचालन सत्यपाल अग्रवाल ने किया।

सनियाना में हुआ हिंदू एकता सम्मेलन

उकलाना। सनियाना स्थित जय बजरंग धर्मशाला में सर्व समाज हिंदू एकता आयोजक समिति द्वारा हिंदू एकता सम्मेलन हुआ। मुख्य वक्ता एडवोकेट हरनाम भादू, मास्टर रामनिवास, डॉ. दिनेश नेहला और बलजीत ने सामाजिक समरसता, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण व नागरिक कर्तव्यों पर विचार रखे। खेजड़ली बलिदान और अमृता देवी बिश्नोई के त्याग का उल्लेख किया गया। अतिथियों का सम्मान किया गया। मंच संचालन मास्टर कृष्ण कुमार ने किया।

रोडवेज के साथ टक्कर में ट्रक चालक गंभीर, बस में सवार यात्री भी घायल

- बस में सवार थे करीब 40 यात्री, 10 को लगी हैं गंभीर चोटें
- ट्रक चालक जुलाना निवासी 55 वर्षीय सुरेश को किया पीजीआई रोहतक रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौंद

जींद भिवानी सड़क मार्ग पर मुंढाल से कुछ दूरी पर ही ट्रक और हरियाणा रोडवेज की बस की सीधी टक्कर हो गई। इसमे ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसको इलाज के लिए रोहतक पीजीआई भेजा गया है वहीं हरियाणा रोडवेज की बस में सवार काफी यात्रियों को भी गहरी चोटें लगी है जिनको इलाज के लिए हांसी के सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया है। सूचना मिलते ही मौके पर हांसी और भिवानी पुलिस के अधिकारी पहुंच गए।

रविवार की रात को हरियाणा रोडवेज की बस भिवानी से जींद जा रही थी। जब वो मुंढाल से जींद सड़क मार्ग पर कुछ ही तय करके जींद की तरफ जा रही तो जींद की तरफ से ही आ रहे एक ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। इसमे ट्रक चल गंभीर रूप से घायल हो गया ट्रक चालक की पहचान जुलाना निवासी 55 वर्षीय सुरेश के रूप में हुई है। गंभीर हालत में उसको पीजीआई रोहतक पीजीआई में भेजा गया हैं।

बस में करीब 40 यात्री सवार थे उनमें से करीब 10 यात्रियों को गंभीर चोटें लगी है जिनका इलाज के लिए हांसी के समय स्थान में भर्ती करवाया गया है। सूचना मिलते ही नारनौंद के डीएसपी देवेंद्र सिंह नैन और विनोद शंकर, बास ल थाना प्रभारी बलवान सिंह सहित भिवानी ट्रैफिक इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे।

चौपाल

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है।

– महर्षि वाल्मीकि

जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता हुआ बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।"

तितलियां

कहानी

विकेश निझावन

जोगिंदर देर रात तक सामान बटोरता रहा। कस्सी, खुरपा, दराती और बड़ी वाली कैंची। यह सब तो ठीक, लेकिन किसी और औज़ार की ज़रूरत भी तो पड़ सकती है, जोगिंदर मन ही मन बुदबुदाया। अब इतना भी क्या सोचना। बाबू वहां होगा, उनसे कह देगा। जोगिंदर ने यह बात माया के आगे भी दोहरा दी तो माया खीजती-सी बोली, "तेरे को ये सब भी ले जाने की क्या ज़रूरत। नई जगह है, बाबू अपने-आप नया सामान दिला देंगे।"

"अरी, कैसी बात करती हैं। यह सामान भी तो बाबूजी ने ही दिलाया था। अब हर दिन बाबूजी पैसे ख़र्च करते रहेंगे। जब कोई चीज़ टूट जाएगी, तब कह देंगे उनसे। दीवार की खूंटी से अपनी बनियान उतारता जोगिंदर बोला, "पैसा अपना हो या दूसरे का, इस तरह बर्बाद ना करने का मैं।"

"बस रे हरिश्चंद्र की औलाद। तेरी इसी बुद्धि करके तो मुझे भी नरक-सी जिंदगी जीनी पड़ रही है। पिछले माह देखा, क्या हाल रहा अपना। पूरा दिन नाले की सफ़ाई करते-करते, बदन कोढ़ मारने लगा था। मच्छर, कीड़े मेरी बाजू के ऊपर तक चढ़े आते थे। सूरज को चुन्नी में लपेट पेड़ के नीचे सुला आती थी। यूं कह ले, पेड़ ने ही उसकी रक्षा की।" माया पलभर को रुकी, फिर लंबी सांस भरती बोली, "अब तो पाली दसवीं पास कर ले, उसे कहीं किसी दफ्तर में लगवा दो।"

"किसी दफ्तर में! अफ़सरी करेगा क्या?"

"नहीं जी, अफ़सरी तो नहीं कह रही मैं। चपरासीगीरी तो कर ही लेगा।"

जोगिंदर ने ठंडी सांस भरी, फिर बोला, "तेरी बात तो ठीक है री, परंतु मैं कुछ और सोचूं।"

"तो अब तू क्या सोचे?"माया उतावली-सी होती बोली।

"मैं सोच रहा हूं, अगर वह दस पास कर सकता है, तो बारह भी पास कर लेगा। और बारह पास को तो सरकारी नौकरी भी मिल जाए।"

"सरकारी नौकरी! हम जैसों को सरकारी नौकरी कौन देगा। अपनी तो कोई न जान-पहचान, न कोई सिफ़ारिश।"

"अरी, अभी दो साल हैं ना! बाबूजी से कहेंगे, वह पहुंच वाले आदमी हैं, और फिर किस्मत पलटते देर ना लगे। अब अपना ही देख ले, कल तक नाले की साफ़-सफ़ाई कर रहे थे, अब कल से बाग़-बग़ीचे की रखवाली करेंगे। मैं तो बाग़-बग़ीचा भी देख आया हूं।"

"तू बाग़-बग़ीचा देख आया, मुझे क्यों नहीं बताया?" माया ने उलाहना भरा।

"अब हर बात के लिए तुझे साथ लेता रहूं?" जोगिंदर ने अंगोछे से मुंह पोंछा और तंबाकू की पीक निगलता बोला, "बाबूजी ने बहुत बड़ा फ़ार्म हाउस बनवाया है। अब अगले महीने वहीं काम करना है। बाबूजी ने यह भी बोला है, काम अच्छी तरह से किया, तो यहीं पर परमानेंट कर देंगे। छह महीने बाद पगार भी बढ़ा देंगे और रहने को पक्की छत वाला एक कमरा भी बनवा देंगे।" माया को तो यक़ीन ही न आया। बोली, "एक बार पहले भी बाबूजी ने बाग़-बग़ीचे में काम दिया था, तब पाली तीन बरस का था।" एकाएक माया का चेहरा खिल-सा आया। हंसते हुई बोली, "पाली के बचपन के साल तो वहीं निकले थे।"

"याद है कैसे भाग-भागकर तितलियां पकड़ा करता था।"

जोगिंदर भी मुस्कुरा दिया, "हां, याद है मुझे। पर तुझे यह भी याद है, हर रोज़ वह दो-चार तितलियां अपनी स्कूल की कॉपी-किताबों के बीच दबा दिया करता था।"

"मैं कैसे भूल सकती हूँ।" माया उदास होती बोली, "उसकी मैडम ने ही बताया था। मुई कहती थी, तुम्हारा बेटा बड़ा होकर 'क्रिमिनल' बनेगा। उस वक्त मुझे इस शब्द का क्या पता था। मैंने सोचा, कोई अच्छी बात कह रही होगी, लेकिन जब बाद में पाली ने इसका मतलब बताया तो मैंने उसे चांटा लगा दिया था। अरे, पहले बताया होता, तो मैं उस मुई का मुंह नोच लेती।"

"हां!"जोगिंदर भी आक्रोश से भर आया था। मुट्ठियां भींचता बोला, "तभी तो हमने पाली को उस स्कूल से निकाल लिया था। अब देख, सरकारी स्कूल में ही सही, पास तो होता चला आया है। बुरा समय तो बीत गया। छह महीने बाद पाली दस पास कर लेगा, और बाबूजी के बग़ीचे में हमारी नौकरी भी पक्की हो जाएगी।" जोगिंदर की बात पर माया ने चेहरा आसमान की ओर उठाते हुए दोनों हाथ जोड़ दिए, और मन ही मन ईश्वर का धन्यवाद करने लगी।

इस नई जगह पर माया की आंखें तो फटी-सी रह गईं। इतना बड़ा फ़ार्महाउस, ढेर सारे पेड़-पौधे तो पहले से भले लग रहे हैं। अब उसे क्या करना है, माया सोचने लगी। जोगिंदर ने उसका चेहरा पढ़ लिया। बोला, "हरी घास भी तभी अच्छी लगे, अगर वह मखमल जैसी हो। मैं घास में पानी लगाने जा रहा हूं, तू तब तक झाड़ू से सूखे पत्ते बुहार ले। सूरज को कहीं भी छोड़ दे, भागता-फिरता रहेगा। यहां किसी बात का डर नहीं, इतना बड़ा तो मैदान है।"माया की समझ में कुछ-कुछ आने लगा था। जोगिंदर ने बताया था कि बाबूजी दिन में दो-तीन बार आ सकते हैं। हमें काम करते देख ख़ुश हो जाएंगे। जोगिंदर की बात तो सच्ची है, माया ने सोचा, इतनी बड़ी जगह है, कहीं न कहीं तो वह बुहारती रहेगी। बाक़ी आगे का तो बाबूजी आकर बताएंगे ही। सूरज का तो ख़ूब मन लग रहा बस, इधर-उधर दौड़ता रहा और आखिर में माया के पास आकर बोला, "मैं कुछ लाया हूँ....दिखाऊं क्या?"

"क्या लाया है, दिखा तो।" माया तो कभी सोच ही न पाती कि वह क्या लाया है। सूरज ने मुट्ठी खोली तो माया अवाक, "हे राम! तू भी तितली पकड़कर ले आया। अरे, क्या ज़रूरत थी। देख तो, बेचारी कैसे तड़प रही है।" माया ने झट से तितली को अपने हाथों में लिया और गुलाब के बड़े से फूल के ऊपर रख दिया। सूरज की हथेली अपने दुपट्टे से पोंछती बोली, "तितलियां देखने के लिए होती हैं। पकड़ने के लिए नहीं।"

अब तक जोगिंदर पास आ गया था। माया की पीठ पीछे खड़ा सारा तमाशा देख रहा था। तपाक से माया के सामने आकर खड़ा हो गया और कमर पर दोनों हाथ रखता बोला, "कैसी बात करती है री तू! तितलियां पकड़ने के लिए ही होती हैं। वो तो हमारे हाथ आ नहीं पातीं, इसलिए हम ऐसा कह देते हैं।"

"बस-बस, बाप-बेटे मिलकर तितलियां पकड़ते रहो।" पाली स्कूल से आ गया था। जोगिंदर ने उसे समझा दिया था कि स्कूल के बाद सीधे बाबूजी के फार्म हाउस में आ जाएगा।

माया नाराज़ होती बोली थी, "बच्चा है, इतनी दूर अकेले कैसे पहुंचेगा।"

"अरे, अब यह बच्चा नहीं रहा। मैंने इसे दो बार रीगल सिनेमा में घुसते देखा है। स्कूल के बाद दोस्तों के साथ वहां नई फिल्म के पोस्टर देखने जाता है।"

पाली झेंप-सा गया। कैसे उसके बाप ने उसकी चोरी पकड़ ली। रीगल तक का रास्ता तो उसे पता था, आगे का रास्ता जोगिंदर ने समझा दिया।

> **पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए?**

जोगिंदर उसे समझा रहा था और पाली मन ही मन मुस्कुरा रहा था।

"देख रे, कितना सुंदर फार्म हाउस।" जोगिंदर अपनी ख़ुशी ज़ाहिर कर पाली को भी ख़ुश देखना चाहता था। पाली ने तो सीधे से मुंह बिचका दिया, "यह कौनसा अपना है।"

"अरे, कैसी बात करता है तू। ऐसी चीज़ तो बड़े लोगों की होती हैं। हम बड़े लोग नहीं है रे।" जोगिंदर बुझी आंखों से पाली के चेहरे की ओर देखने लगा तो पाली एकाएक बोल उठा, "मैं तुम्हें बड़ा आदमी बनकर दिखाऊंगा।" कहते हुए पाली वहां से भाग गया और सूरज के साथ-साथ वह भी तितलियों के पीछे दौड़ने लगा। माया तो उसे यूं दौड़ते देखा हंस-हंसकर पागल-सी हो आई, "इतना बड़ा हो गया यह, तितलियां पकड़ने से बाज़ नहीं आया।"

दिन, सप्ताह, महीने गुज़र गए। इधर पाली के इम्तिहान ख़त्म हुए, उधर बाबूजी ने जोगिंदर की पक्की नौकरी का एलान कर दिया। पगार भी बढ़ा दिया और अगले छह महीने के अंदर उनके लिए पक्की छत बनवा देने का भी वादा किया। जोगिंदर और माया ख़ुशी से फूले नहीं समा रहे थे। शाम को जोगिंदर और माया सामान समेट रहे थे तो बाबूजी आ गए। जोगिंदर कुछ अदब से खड़ा हो गया तो बाबूजी बोले, "तुम जा रहे हो क्या?""हां साहब, पांच बज रहे हैं, कोई हुकुम हो तो कहिएगा।" बाबूजी माया की ओर देखते बोले, "शाम को मेरे कुछ मेहमान आ रहे हैं। जोगिंदर थोड़ी देर रुक जाएगा, तुम अकेली जा सकती हो।" "कोई दिक्क़त नहीं साब।" जोगिंदर और माया के मुंह से एकसाथ ये शब्द निकले तो बाबूजी मुस्कुरा दिए। माया के चलते-चलते जोगिंदर ने उसे पचास का नोट पकड़ा बच्चों के लिए कुछ मीठा लेती जाने को कहा। "मैं तो रोटी-पानी ख़ाकर ही आऊंगा। तुम बच्चों को खिला देना, ख़ुद भी खा लेना।" जोगिंदर की जुबान से क्या-क्या शब्द फूट रहे थे, माया मन ही मन फूली न समा रही थी।

माया घर पहुंची तो पाली बाहर को निकल रहा था। उसे रोकती हुई माया बोली, "तू कहां जा रहा है रे?""मैं!" पाली की जुबान लड़खड़ा-सी आई, "मैं तितलियां पकड़ने जा रहा हूँ।"

"इस वक्त कौनसी तितलियां उड़ती हैं रे?"

"आजकल तो तितलियां रात में भी उड़ती हैं, मां।" पाली कहता हुआ भाग गया। माया देर तक हंसती रही, कैसा बावला हो गया है। कहता है, आजकल रात को भी तितलियां उड़ती हैं।

माया रसोई में आकर दाल-भात बनाने लगी। दाल-भात बनाने में कौन-सी देर लगी। एक घंटे में सारा भोजन तैयार। पाली आ जाए तो उसे गरमा-गरम परोस देगी। बाद में मिठाई का डिब्बा खोलेगी। देखो, कैसे उछल पड़ेगा।

जोगिंदर पगार भी लाएगा, और बाबूजी कह रहे थे, कुछ बड़े-बड़े लोग आ रहे हैं। फिर तो बख़्शीश भी अच्छी मिल जाएगी। नौ बज रहे हैं। पाली अभी तक न आया। बाहर ठंड और कोहरा भी ख़ूब पड़ने लगा है। कहीं बीमार हो गया तो जोगिंदर तो उसे ही डांटेगा। माया बार-बार दरवाज़े की ओर जा रही थी। लो, पाली आ गया। कुंडी तो ऐसे खड़का रहा है, जैसे तोड़ ही डालेगा। "अरे, आ रही हूं ना। क्या दरवाज़ा तोड़ने का इरादा है?"

माया ने दरवाज़ा खोला तो एक लंबी चीख़ उसके मुंह से निकल गई। चार-छह लोग जोगिंदर को पकड़े बाहर खड़े थे। जोगिंदर की गर्दन से ख़ून टपक रहा था।

कोई एक आदमी बोला, "किसी ने इसकी गर्दन पर चाकू से रेत डाला है। हम इसे अस्पताल लेकर जा रहे हैं।"

माया छाती पर दोहत्थड़ मार फूट पड़ी, "हाय राम! किसने मार डाला मेरे आदमी को?"

गली-मोहल्ला इकट्ठा हो गया था। तभी भीड़ को चीरता हुआ पाली आगे आया तो माया चिल्ला पड़ी, "अरे तू तितलियां पकड़ता फिरता है, पकड़ना है तो उसे पकड़, जिसने तेरे बापू को मार डालने की कोशिश की।"

पाली अवाक रह गया। सिर से पांव तक कांप गया। बड़ा आदमी बनने के लिए वह तितलियां पकड़ने का बहाना कर लोगों से लूटमार किया करता है। आज के घने कोहरे में कहीं बापू की गर्दन पर उसकी उंगलियों के निशान तो नहीं पड़ गए? वह भीतर की ओर भागा और जेब में रखा बटुआ निकाल देखने लगा। अरे, यह तो बापू का ही बटुआ है। पाली ने झट से पैंट की पिछली जेब से चाकू निकाला। एक पल तो मन में आया, इस चाकू को अपने सीने में उतार दे। लेकिन अगले ही पल मन ही मन खुद को गाली देता हुआ उसने चाकू दराज़ के पीछे छुपा दिया। एक बार उसने दीवार से सर पटका, फिर बाहर की ओर लपकता हुआ चिल्लाया, "मैं अस्पताल जा रहा हूं मां!"

कविता | **पं. कमल कांत भारद्वाज**

फागुन : मेरे मन का उत्सव

फागुन की आई कोमल बेला,
चारों ओर खुशियों का मेला,
धरती ने हरियाली ओढ़ी,
जैसे मुस्कराता हो कोई अकेला।

बगिया में पंछी झूम रहे हैं,
डाल-डाल गीत सुनाते हैं,
हवा छूकर मन के तारों को
अनकहे भाव जगाते हैं।

अबीर-गुलाल हवा में घुलकर,
उल्लास का रंग बिखेर गए,
हँसी, ठिठोली, भीगे पल—
जीवन के सच सिखा गए।

अचानक बादल घिर आए,
फागुन में सावन उतर आया,
भीगी मिट्टी, भीगा मन,
हर बदलाव कुछ कह गया।

समझ लिया मैंने इन लम्हों में—
सौंदर्य बस दिखता नहीं,
प्रकृति से जुड़कर जीना ही
जीवन का सच्चा अर्थ सही।

कविता | **मोनिका शर्मा**

चेहरों के भी जुदा रंग

भाषा का भी एक ककहरा होता है
पर भावों का अपना औरा होता है

चेहरों के भी खूब जुदा होते हैं रंग
कुछ चेहरों का रंग सुनहरा होता है

कुछ पानी के भीतर गहरे दिखते हैं
कुछ के भीतर पानी गहरा होता है

कुछ के पैरों में भी घुंघरू बजते हैं
कुछ घुंघरूओं पर पहरा होता है

कुर्सी वाले तख़्त ओ ताज ले जाते हैं
कब मेहनत के सर पर सेहरा होता है

नदिया के भीतर भी नदिया बहती है
सहरा के भीतर इक सहरा होता है

कहीं बेटी कुल की लाज निभाती है
कहीं बेटा कुल का ज़हरा होता है

कुछ आँखों का पानी भी मर जाता है
कुछ आँखों का पानी ठहरा होता है।

कविता | **वीणा अग्रवाल**

ऋतुराज बसंत

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है

सर्दी में जो ठिठुर रहे थे झोंपड़ पट्टी वाले
राम ही जाने ये निष्ठुर दिन कैसे रोज निकाले
फूल से कोमल बच्चों को अब आनंद आया है
ऋतुओं का ...

रंग बिरंगे पुष्पों की खुशबू से महकी क्यारी
जीव जंतु वन उपवन में अब सब पर चढ़ी खुमारी
सूरज दादा छिपा था जो अब सामने आया है
ऋतुओं का सरताज ...

पीली पीली सरसों अपनी मादकता बिखराए
हरित आम के पेड़ों पर कोयलिया गीत सुनाए
भ्रमर और तितली ने अपना राग सुनाया है
ऋतुओं का सरताज ...

ना गर्मी ना सर्दी,खुश होते है सब नर नारी
धरती मां खिल उठी,आज वह भूली पीड़ा सारी
धरती से अंबर तक कण कण मुसकाया है
ऋतुओं का सरताज ...

चेहरे पर उल्लास हर्ष जन मन में छाया है
ऋतुओं का सरताज बसंत का मौसम आया है।

सफलता पाने का शॉर्टकट...यस सर !

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रूरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है।

> **कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे-संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं, बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं।**

व्यंग्य

विनीत पांडेय

यस सर ..! यह सिर्फ दो शब्दों की स्वीकारोक्ति नहीं है, यह मंत्र है । मंत्र क्या महामंत्र है, आप इस मंत्र की शक्ति का अंदाज़ा भी नहीं लगा सकते । इसका प्रयोग सुपर बैड होते हुए भी आपको अपने बॉस के गुड बुक में रख सकता है। अव्वल दर्जे के कामचोर को भी सर्वाधिक काम का आदमी साबित कर सकता है। नौकरी हो या बिजनेस, जिसे ये बात समझ आ गयी कि उसका बॉस असंभव काम के निर्देश पर भी 'यस सर' सुन कर रोमांचित हो उठता है, उसकी तरक्की कोई नहीं रोक सकता।

यस सर को दरअसल, अकड़ के साथ तेल का कनस्तर उलट के मालिश करने का दर्जा उसी तरह मिला हुआ है, जैसे किसी संस्था का अध्यक्ष बनने पर राज्य मंत्री का दर्जा मिल जाता है। हालांकि ये भी मिलता यस सर की ही बदौलत है । एक अनुभवी यस सर वाचक ने बताया कि यस सर जिंदगी के हां और नहीं के बीच शॉर्टकट से सीधे लक्ष्य तक पहुंचने की वो पगडण्डी है जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

ज्यादातर लोग समझ ही नहीं पाते कि एक सामान्य 'नो सर' उनके करियर को असामान्य रूप से प्रभावित कर सकता है। उन्हें ये कला सीखने की ज़रुरत है कि किसी आदेश को मना 'यस सर' कह कर भी किया जा सकता है। यस सर कल का पैदा हुआ कोई नया जुमला नहीं है। सैकड़ों साल पहले भी जी महाराज और जी हुज़ूर का अस्तित्व रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद यस सर ने जितनी तेज़ी से अपनी जगह बनाई, उससे सिद्ध होता है कि यह दुनियाभर में इतनी ही लोकप्रियता के साथ विद्यमान रहा है। यस सर कहने वाले को हमेशा अपने वरिष्ठों के अगल-बगल रहने का विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिसकी वजह से अकेले में भी उसका भौकाल बना रहता है। दुनिया में यस सर जैसा दूसरा कुछ भी नहीं है, यह एक साथ सबको संतुष्ट कर देता है। कितना अद्भुत जुमला है जिसे बोलने वाला भी खुश और सुनने वाला भी जबकि वो जिस चीज़ के लिए बोला-सुना जा रहा है, वो होने वाला नहीं है, ये बात दोनों जानते हैं। बॉस को पता होता है कि कौन सा यस सर हामी है और कौन सा अस्वीकृति, पर सुनना उसे यस सर ही होता है।

कारण भी स्पष्ट है, बॉस अपने तब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना है और अब के बॉस को यस सर कह कर बॉस बना हुआ है। कर्णप्रिय होना इस जुमले की असली ताकत है, इसका लगातार प्रयोग बॉस को हमेशा सही होने के भ्रम में बनाए रखता है। यस सर कहने वाले तो रिटायर हो जाते हैं पर यस सर रिटायर नहीं होता। ये वो विरासत है जिसे आने वाला समझदार व्यक्ति जाने वाले अनुभवी व्यक्ति से ग्रहण करता है और इसका सुख भोगता है। जग के सकल पदार्थ भले कर्महीन नर को प्राप्त नहीं होते पर आराम से जीवन व्यतीत करने के लिए आवश्यक वातावरण यस सर कहने वाला प्राप्त कर लेता है। इस महामंत्र का जाप करने वाला नौकरशाही के नुकीले दांतों के बीच जीभ की तरह रसास्वादन करने में सिद्ध हो जाता है। यस सर की घिसावट में प्रवीण व्यक्ति के लिए, सिस्टम अलादीन के चिराग से कम नहीं। वो इसे घिस कर ऑफिस में फाइलों पर कलम घिसने वाले अपने समकक्षों से उड़ने वाली कालीन पर बैठ कर आगे निकल जाता है।

कल्पना कीजिए कोई बॉस किसी मीटिंग में कहता हो कि सफ़ेद कौआ होता है और उसका अधीनस्थ समर्थन में यस सर बोल दे। अधीनस्थ का क्या नुकसान हुआ? मगर उस बॉस की ख़ुशी का अंदाज़ा कोई नहीं लगा सकता। बॉस के झूठ का समर्थन कर उसने भविष्य की कितनी ही छुट्टियां आज ही अप्रूव करवा लीं, हाजिरी लगा के घूमने जाने की अनेक अनुमति प्राप्त कर लीं। ऐसे अधीनस्थ अपने बॉस को न केवल अपने सगे संबंधियों से ज्यादा प्रिय होते हैं बल्कि कुछ मामलों में प्रातः स्मरणीय भी हो जाते हैं। सुबह-सुबह देश दुनिया की ख़बरों से ले कर ऑफिस के कामकाज तक के लिए पहला फोन ऐसे ही अधीनस्थों के पास जाता है। इसमें कोई बुराई नहीं, नौकरी में बॉस के झूठ का विरोध कर टारगेट पर आने की बजाए समर्थन कर लाभ हासिल करना ही असली आर्ट ऑफ़ लिविंग है। यदि एक यस सर कह कर आपके चेहरे पर मुस्कराहट बनी रह सकती है, बिना किसी योग-दवाई के आपका चित्त प्रसन्न रह सकता है तो खामखा उसूलों की निंद्रा भंग क्यों करना। बात अगर वाकई उसूलों पे आंच आए तो टकराना ज़रूरी है, टाइप हो जाए तो मिठाई की कीमत बढ़ाने वाले वर्क की तरह, इस सार्वभौमिक उसूल की परत मूल उसूल पर चढ़ा देनी चाहिए कि जिसकी खाओ, उसकी गाओ। सही गलत के लफड़े में उलझना ही क्यों? यस सर बोलो और छुट्टी पाओ ।

हो डगर कितनी भी कठिन, हार मत स्वीकार कर...

पुस्तक : हार मत स्वीकार कर
कवि : अश्वनी कुमार
मूल्य : 199 रुपये
प्रकाशक : कनुप्रिया पब्लिशर्स, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | **डॉ. विजेंद्र कुमार**

बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मृदुभाषी कवि अश्वनी कुमार की काव्य कृति 'हार मत स्वीकार कर' में 92 गीतिकाएं संगृहीत हैं। यह काव्य कृति भारतीय संस्कृति के शाश्वत एवं उज्ज्वल उद्घोष का शंखनाद प्रतीत होती है कि अपनी शब्द तूलिका से कवि विविध रंगी बिंब विधानों का सृजन करता है। कृति में परमात्मा के प्रति अटूट आस्था, माता-पिता का समादर, सहअस्तित्व एवं सदाचार, करुणा, प्रेम, दया आदि उदात्त भावों को मानव-जीवन का असली लक्ष्य प्रतिपादित किया गया है। व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के उत्थान का दर्द उनकी रचनाधर्मिता के केन्द्र में है। माता-पिता को समर्पित एक गीतिका में कवि कहता है;

जीवन सृजन करते भले, भगवान हो लेकिन/
लेता तुम्हारी कोख में आकार है अम्मा!

पिता के महत्व को कवि इस प्रकार रेखांकित करता है :

उठाते थे अकेले बोझ, वो परिवार का अपने।
नहीं अपना सलीके से, उठा सामान पाए हम।।

जीवन के कटुयथार्थ तथा आपादाओं से निरन्तर संघर्ष करते रहना ही मानव का धर्म है, उसे संकट या विपत्ति से कभी भी हार नहीं माननी चाहिए :-

मुश्किलों के साधने का नाम ही है जिंदगी।
डर गया जो देख के हालात, वो इंसान क्या?

जीवन में सकारात्मकता और विश्वास के महत्त्व का प्रतिपादन करते हुए वे असफलता व निराशा का जीवन में त्याग करने का अह्वान करते हुए कहते हैः-

रात बीती को भूला अब भोर से तू प्यार कर।
कर नई शुरूआत प्यारे, हार मत स्वीकार कर।।

आपसी प्रेम व भाईचारे की सघन हरियाली से सरोबार गांव की बदली हुई दशा से कवि दुखी है। जिस तरह गांवों में भी छल, कपट व द्वेष फैल गए हैं, उसी तरह गांवों में वृक्षों की कटाई भी पर्यावरणीय असंतुलन का कारण है :-

सुख घना था, नीम की जो ठांव में।
अब नहीं मिलता मजा वह गांव में।।
दरक गई है आज हवेली, कड़ियां छत की टूट रही।
संबंधों की नींव समाई, रार कपट-चतुराई में।।

प्रेम और सद्भाव ही मानव सभ्यता का सार तत्व है। मानव सभ्यता जितनी इन दोनों से दूर होती जायेगी उतनी ही वह विनाश और पतन के करीब होती चली जायेगी। इसीलिए कवि आह्वान करता है :-

बांसुरी जिसकी जगाए, प्रेम मन में आस्था।
पूज्य वो रसखान सा, चितचोर ढूंढों साथियों।।

अश्वनी की भाषा सहज, स्वाभाविक और लखनऊ का मिठास लिए है। सीधे दिल को छूने वाली इन कविताओं में कहीं पांडित्य प्रदर्शन की लालसा नहीं है। अभिव्यक्ति की सहजता, कथ्य की ईमानदारी और मानवतावादी दृष्टिकोण इस कृति के विशेष आकर्षण है। हमारी युवा पीढ़ी की प्रेरणा के लिए यह एक सफल कृति सिद्ध होगी। इस सार्थक कृति के लिए कवि अश्वनी कुमार को साधुवाद।

खबर संक्षेप

छात्राओं ने पुनर्वास ट्रस्ट का किया शैक्षणिक भ्रमण

हिसार। एफसी कॉलेज की स्नातकोत्तर (एम.ए. मनोविज्ञान) की छात्राओं ने दिव्यांग एकाधिकार पुनर्वास ट्रस्ट का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर कॉलेज की ओर से डॉ. रिंकू व सुमन, असिस्टेंट प्रोफेसर छात्राओं के साथ उपस्थित रहीं। ट्रस्ट के संयोजक राजपाल सिंह बासनीवाल ने उन्हें विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संस्थान की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों, दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास कार्यक्रमों तथा मनोवैज्ञानिक सेवाओं के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रविन्द्र कुमार, पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. शिवांशी, मनोवैज्ञानिक अरुण कुमार, विशेष अध्यापक रोहित, विशेष अध्यापक उपस्थित रहे। छात्राओं को काउंसलिंग, करियर गाइडेंस, साइकोलॉजिकल टेस्टिंग, एंट्रेंस काउंसलिंग, काउंसलिंग स्किल्स की जानकारी प्रदान की गई। दिव्यांग बच्चों के संदर्भ में मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, व्यवहारिक आकलन, व्यक्तिगत शिक्षा योजना, पारिवारिक परामर्श की प्रक्रियाओं को समझाया गया।

बीड़ बबरान धाम की पैदल निशान यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया हिस्सा

श्याम बाबा के जयघोष से गूंजा शहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

बीड़ बबरान धाम में चल रहे 53वें बबरान नरेश प्रकटोत्सव के लिए मनोकामनापूर्ण पैदल निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। हिसार के नागोरी गेट स्थित श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के ध्वज थामकर और श्याम बाबा की जय का उदघोष करते हुए निशान यात्रा में हिस्सा लिया।

निशान यात्रा के दौरान रथ को फूलों व लडिय़ों से सजाकर पूरे विधि-विधान से श्याम बाबा की पूजा व आराधना की गई। इसके उपरांत हिसार के विभिन्न बाजारों से होते हुए पैदल निशान यात्रा आगे बढ़ी। इस दौरान पूरा हिसार श्याममय हो गया और श्याम बाबा की जय व बीड़ बबरान धाम की जय के उदघोष से हिसार की गलियां गूंजती रही। निशान यात्रा में बच्चे, बूढ़े, जवान व महिलाओं सहित हर आयु वर्ग के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पैदल यात्रियों का भव्य स्वागत व सत्कार किया गया। इस दौरान जगह-जगह भंडारे की भी व्यवस्था रही। ढोल की थाप पर थिरकते व गुलाल उड़ाते हुए भक्तों ने अपने इष्ट के प्रति आस्था व्यक्त की। सैकड़ों ध्वजों के साथ

हिसार। बीड़ बबरान धाम की मनोकामनापूर्ण पैदल निशान यात्रा में हिस्सा लेते श्रद्धालुगण। *फोटो : हरिभूमि*

यात्रा करते श्रद्धालुओं को देखकर समस्त हिसारवासी श्याम बाबा के प्रति अनायास ही नतमस्तक हो गए। सभी श्रद्धालु हिसार से कई किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए बीड़ बबरान पहुंचे और यहां श्याम बाबा के दरबार में माथा टेककर अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की कामना की। 24 फरवरी को प्रातः 8.15 बजे बबरान नरेश महाभिषेक, प्रातः 11.15 बजे पूर्ण आहुति महायज्ञ एवं रात्रि 8 बजे से प्रभु इच्छा तक श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इन आयोजनों में भी श्रद्धालु बढ़-चढक़र हिस्सा लेंगे।

बीड़ बबरान धाम में चल रही आठ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के दौरान श्री श्याम भक्त शिव कुमार सिंगल यजमान रहे। इस अवसर पर सागर गोस्वामी, ओमप्रकाश, अभिषेक राओ, समर्थ कौशिक, पुनीत मेहता, राकेश मिश्रा, सरपंच देवेंद्र नैन, प्रधान शिव कुमार सिंगल, महंत महाराज विनोद शर्मा व निज पुजारी विनय शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। कथा व्यास कुमार शैलेंद्र पाराशर जी महाराज ने श्रीमद भागवत कथा के दौरान गोवर्धन पूजा व छप्पन भोग प्रसंग का वर्णन करते हुए सदकार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इंसान को हमेशा धर्मसम्मत और सदकार्यों में मन लगाना चाहिए। गलत कार्यों का परिणाम भी गलत ही होता है, इसलिए सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए।

श्री श्याम मंदिर से पैदल निशान यात्रा बीड़ बबरान धाम रवाना

बरवाला। श्री श्याम मंदिर बरवाला के तत्वावधान में 16वीं विशाल ध्वजा पैदल यात्रा श्री श्याम मंदिर बरवाला से श्री श्याम मंदिर बीड़ बबरान धाम के लिए रविवार प्रातः रवाना हुई। इस यात्रा को मुख्य अतिथि मार्केट कमेटी चेयरमैन बरवाला प्रवीण सैनी और वाइस चेयरमैन बरवाला रोशन घनघस तथा मनोनीत पार्षद अनूप सैनी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मंदिर के प्रवक्ता अनूप गोयल ने बताया कि बरवाला शहर से करीब 1100 के लगभग निशान श्याम मंदिर से उठाए गए। इस यात्रा में बाबा श्याम का भव्य शृंगार का रथ और लाइव झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जय श्री श्याम के उद्घोष के साथ बरवाला शहर के श्याम प्रेमी निशान लेकर बीड़ बबरान धाम पहुंचे। बीच रास्ते में इस ध्वजा यात्रा में शामिल श्याम प्रेमियों का स्वागत किया गया। इस यात्रा में श्याम प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति की पूरी टीम ने यात्रा की व्यवस्था को बखूबी संभाला। मंच संचालन अनूप गोयल ने किया। इस अवसर पर मंदिर के प्रधान रोशन घनघस, विनोद मित्तल, अनूप गोयल, अनुज सरदाना, आशु आनंद, मोनू शर्मा, सतपाल वर्मा, अंकित बंसल, कमल गोयल, सीए संदीप, ओम प्रकाश रहेजा, सतीश सहारन, अजय मनोचा, सतीश सरदाना, एस के सोनी, नवीन गुप्ता, संदीप शर्मा, सुंदर संदलाना, राजमल सेन, लाला राम मोरिया, नाथूराम, जॉनी सरदाना, रवि नागपाल व राजू समेत मंदिर के सभी सदस्य व सहयोगी उपस्थित रहे।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में ध्यान करवाते स्वामी संजय।

ध्यान सत्र : साधकों को समझाए तनाव से मुक्ति पाने के सरल उपाय

■ शांतिमय जीवन के लिए ओशो ध्यान भवन में हुआ ध्यान सत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

तनावभरी जिंदगी से राहत प्रदान करने और शांतिमय जीवन जीने के उपाय साझा करने के उद्देश्य से ओशो ध्यान उपवन में ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। तनाव से शांति की ओर विषय पर आधारित इस ध्यान सत्र में स्वामी संजय व मां सांची ने ध्यान विधियों की विस्तृत व्याख्या की और इन ध्यान विधियों का अभ्यास भी करवाया।

सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन के संचालक स्वामी संजय ने कहा कि इंसान अधिक से अधिक संसाधन जुटाने व दूसरों से आगे निकलने की होड़ में तनाव व अवसाद का शिकार होता जा रहा है। उसे शांतमय व खुशहाल जीवन तो चाहिए लेकिन सही उपाय नहीं पता है। इसलिए ध्यान को दिनचर्या का हिस्सा बना लिया जाए तो तनाव से शांति की ओर आसानी से अग्रसर हुआ जा सकता है। उन्होंने कहा कि इंसान अपने अतीत की गलतियों व खामियों को भूल नहीं पाता और उन्हें बार-बार याद करके अवसादग्रस्त हो जाता है। इसी भांति भविष्य की चिंता में भी अधिकर लोग परेशान रहते हैं। इसके विपरीत अतीत की कड़वी यादों व भविष्य की चिंता छोडक़र इंसान को वर्तमान में जीना सीखना होगा। जैसा इंसान है उसे खुद को वैसे ही स्वीकार करना होगा और ध्यान को जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

ध्यान करने से जीवन हो सकता है सरल

स्वामी संजय ने स्पष्ट किया कि नियमित रूप से ध्यान करने एवं इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने से इंसान का जीवन सरल व शांतमय हो सकता है। उन्होंने कहा कि ध्यान करते हुए अपने भीतर गहरे उतरते हुए असीम शांति व आनंद की अनुभूति सहज ही की जा सकती है।

नशा आमजन के व्यक्तित्व को अदंर से करता है खोखला

एनएसएस शिविर के तहत ग्रामीणों को जागरूक कर रहें स्वयंसेवक

■ 'राम-राम अभियान' के अंतर्गत संवादात्मक गतिविधियों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा मुकलान गांव में चल रहे सात दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर में सामाजिक चेतना, डिजिटल जागरूकता, जनजागरण और सांस्कृतिक संवाद की प्रभावशाली छाप देखने को मिली।

स्वयंसेवकों ने गांव की मुख्य बस्ती में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकालकर जनमानस को जागृत किया। हाथों में संदेशात्मक तख्तियां और ऊर्जावान नारों के साथ युवा स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों से अवगत कराया। रैली के उपरांत गांव के मध्य अलग-अलग जगहों पर आयोजित नुक्कड़ नाटक ने कार्यक्रम को भावनात्मक गहराई प्रदान की। सशक्त अभिनय और प्रभावी संवादों के माध्यम से

यह दर्शाया गया कि नशा किस प्रकार व्यक्ति के व्यक्तित्व को खोखला कर देता है, परिवार की खुशियों को छीन लेता है और समाज की प्रगति में बाधक बनता है।

नशा मुक्ति रैली का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामस्वरूप एवं डॉ. शिवानी यादव ने किया, जबकि नुक्कड़ नाटक का निर्देशन डॉ. सुनीता रानी एवं डॉ. विकास जांगड़ा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रातःकाल 'राम-राम अभियान' के अंतर्गत संवादात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस पहल के तहत पांच-पांच स्वयंसेवकों के 40 दल गठित कर उन्हें घर-घर संपर्क के लिए भेजा गया। स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट कर ग्रामीण जीवन के विविध आयामों संस्कृति, परंपराएं, कृषि व्यवस्था, पशुपालन, सामाजिक संरचना तथा स्थानीय चुनौतियों पर सार्थक संवाद स्थापित किया। यह पहल केवल औपचारिक संपर्क तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्वविद्यालय और गांव के मध्य विश्वास एवं सहयोग के संबंधों को सुदृढ़ करने का माध्यम बनी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अंजू गुप्ता ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य आंकड़े संकलित करना नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव स्थापित करना है।

गंगवा में निकाली नशामुक्ति के खिलाफ जागरूकता रैली

हिसार। छाजूराम मेमोरियल जाट कॉलेज की एनएसएस इकाई के गांव गंगवा में चल रहे साप्ताहिक विशेष शिविर में स्वयंसेवकों ने रविवार को नशामुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंगवा के प्राचार्य ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। दोपहर के सत्र में स्वयंसेवकों ने सर्वे कर गांव की सफाई व्यवस्था, आर्थिक स्थिति, शिक्षा स्तर एवं मोबाइल उपयोग से संबंधित जानकारी एकत्रित की। इस दौरान स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर गंगवा गांव के बुजुर्गों से संवाद स्थापित किया। सायंकालीन सत्र में सर्वेश मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल से जनरल सर्जन डॉ अखिलेश शेखावत ने युवा वयस्कों में रोगों की रोकथाम विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कृष्ण लाल, डॉ. नेहा डांगी तथा डॉ. करम सिंह देशवाल की देखरेख में हो रहा है।

एडवेंचर कैंप के तहत तीन किमी दौड़ और बैडमिंटन चैंपियनशिप का शुभारंभ

■ बैडमिंटन के शो मैच में कपिल दीक्षित ने संजित को 15-12, 8-15, 15-12 के अंतर से किया पराजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

लाला लाजपत राय यूनिवर्सिटी ऑफ वेटेरिनरी एंड एनिमल साइंसेज (लुवास) में आयोजित एडवेंचर कैंप के अंतर्गत तीन किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही बैडमिंटन चैंपियनशिप का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संदीप गुप्ता रहे। इस अवसर पर एडीएसडब्ल्यू डॉ. यशवंत, बैडमिंटन प्रेसीडेंट डॉ. तरुण गुप्ता तथा यूथ रेड क्रॉस सोसायटी के समन्वयक डॉ. मान सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस एडवेंचर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। तीन किलोमीटर दौड़ प्रतियोगिता में 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लड़कों वर्ग में रोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लड़कियों वर्ग में मधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन अवसर पर खेले गए रोमांचक शो मैच में कपिल दीक्षित ने संजित को 15-12, 8-15, 15-12 के अंतर से पराजित किया। यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहा।

हिसार। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते निदेशक डॉ. संदीप गुप्ता एवं अन्य।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देते हैं। विश्वविद्यालय में इस प्रकार की खेल गतिविधियां विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

गुजवि के 19 विद्यार्थियों को मिला आईसीआईसीआई बैंक में प्लेसमेंट

■ बहु-चरणीय भर्ती प्रक्रिया में 27 बीटेक विद्यार्थियों ने लिया भाग

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सौजन्य से हुए आईसीआईसीआई बैंक के ऑन-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बीटेक कार्यक्रम के 19 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। प्लेसमेंट प्रक्रिया के भाग के रूप में, आईसीआईसीआई बैंक के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, रीजनल हेड सुखदीप सिंह और रीजनल हेड सोनव शर्मा, ने एक प्री-प्लेसमेंट इंटरेक्शन सत्र का आयोजन किया। प्लेसमेंट ड्राइव का विवरण प्रस्तुत करते हुए, प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि बहु-चरणीय भर्ती प्रक्रिया में 27 बीटेक विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें प्री-प्लेसमेंट प्रस्तुति के उपरांत व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल रहे। उन्होंने क्षेत्रीय प्रमुख सेल्स (संस्थागत बैंकिंग) प्रदीप, तथा एचआर प्रबंधक ईशा सहित आईसीआईसीआई बैंक की एचआर टीम का आभार व्यक्त किया। सहायक निदेशक प्लेसमेंट डॉ. आदित्य वीर सिंह ने कहा कि चयनित विद्यार्थियों में बीटेक सीएसई से दिग्विजय सिंह, अरुनधिति वत्स, तृप्ति, दिग्विजय सिंह कोडान, निशा रेड्डू व कोमल मलिक, बीटेक आईटी से ध्रुव सिंह, बीटेक सीएसई-एआईएमएल से उमानंद, कुंजल कौल, रितेश कुमार, पारस, अमन कुमार, बीटेक प्रिंटिंग से सोनाली, बीटेक ईसीई से आशीष कुमार सोनी, यश जाखड़, अनीता पंवार, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स से प्रिया दुहन, जसबीर राणा तथा बीटेक एमई से साहिल भारद्वाज शामिल हैं। प्लेसमेंट ड्राइव का समन्वय बीटेक प्रिंटिंग की तमन्ना ने किया। चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए, कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर गर्व जताया।

गोशाला में मनाया गया वार्षिकोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

कापड़ो गांव स्थित बाबा फुले साध गोशाला परिसर में गोशाला का वार्षिकोत्सव श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में श्रवण कुमार गर्ग, अध्यक्ष, गो सेवा आयोग हरियाणा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्मित भूमिगत जल घर का विधिवत उद्घाटन किया।

अपने संबोधन में गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि गो सेवा भारतीय संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने बताया कि बाबा फुले साध गोशाला में गोवंश के बेहतर संरक्षण के लिए शेड का निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। इससे गोवंश को सुरक्षित व अनुकूल वातावरण उपलब्ध होगा।

हांसी। जल घर का लोकार्पण करते के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग।

कार्यक्रम के दौरान गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग का गोशाला प्रबंधन व ग्रामवासियों द्वारा फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने गोशाला द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ पेयजल, छाया और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना गो सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, और भूमिगत जल घर इसी दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस अवसर पर जिला परिषद के अध्यक्ष सोनू डाटा, प्रधान नथूराम जैन, संचालक गिरीश जैन, सचिव महिपाल, शैलेंद्र सिंह, पंडित बलवान, नानू गोयत, ईश्वर सिंह, जोधाराम, उमेद सिंह छान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संत निरंकारी मिशन ने महावीर कॉलोनी जलघर परिसर में चलाया सफाई अभियान

हिसार। संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन की ओर से सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंकारी सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के 72वें जन्मदिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान चलाया गया। फाउंडेशन द्वारा निरंकारी सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के द्वारा दिए गए संदेश, प्रदूषण बाहर हो या अंदर दोनों हानिकारक हैं और इसके लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है, को व्यवहारिक रूप देने के लिए प्रति वर्ष निरंकारी सतगुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के जन्मदिवस को सफाई अभियान व वृक्षारोपण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के तहत रविवार को निरंकारी मिशन हिसार के अनुयायियों ने हिसार के संयोजक संजय खुराना के नेतृत्व में महावीर कॉलोनी स्थित जलघर परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में हिसार के सैकड़ों अनुयायियों ने भाग लिया। संयोजक संजय खुराना ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा आज देशभर में 1500 से अधिक स्थानों पर यह अभियान चलाया गया, जिसमें लाखों सेवादारों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि सतगुरु माता जी का संदेश सदैव यही रहा है कि हम इस धरती को आने वाली पीढ़ियों के लिए पहले से अधिक सुंदर, स्वच्छ और संतुलित रूप में संजोकर रखें।

कार्यक्रम जिलेभर में कई स्थानों पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं व नागरिकों ने सुनी पीएम के मन की बात

बूथ स्तर पर सुना 'मन की बात' कार्यक्रम का131वां एपिसोड

■ एआई समिट से देश की प्रगति को विश्व पटल पर किया स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 131वां ऐपिसोड रविवार को प्रसारित किया गया। जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों ने यह कार्यक्रम सुना।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम हर नागरिक को प्रेरित करने वाला होता है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का हौसला भी बढ़ाते हैं।

डॉ. आशा खेदड़ रविवार को हिसार विधानसभा क्षेत्र के सब्जी मंडी मंडल के बूथ नंबर 71 पर भाजपा कार्यकर्ता अंजू सोलंकी के आवास पर मन की बात कार्यक्रम सुन रही थीं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम का 131वां एपिसोड व इस साल का दूसरा एपिसोड जिले भर में बूथ स्तर पर देखा व सुना गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, अनुज जैन, नितिन शर्मा, अनिल कुकरेजा, दीपक वाल्मीकि, पार्षद मनोहर लाल वर्मा व सज्जन शर्मा सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

हिसार। मन की बात कार्यक्रम देखते डॉ. कमल गुप्ता व अन्य। फोटो : हरिभूमि

मन की बात कार्यक्रम ने जन-जन को जोड़ा : डॉ. कमल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 131वां एपिसोड आज सेक्टर-14 स्थित मुकेश बंसल के निवास पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम उपरांत डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट का उल्लेख कर भारत की तकनीकी प्रगति और नवाचार क्षमता को विश्व पटल पर स्थापित किया गया है, जो प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का विषय है।

बूथ नंबर 107 पर सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के मील गेट स्थित बूथ नंबर 107 पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सामूहिक रूप से सुना। इस दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने कार्यक्रम को गंभीरता व ध्यानपूर्वक सुना। प्रधानमंत्री मोदी का विजन 2047 तक भारत को विकसित बनाने में हर नागरिक भूमिका अहम है।

स्प्रिंक्लर ट्रक की मदद से धोए फ्लाइओवर के पिलर्स, जेसीबी से हटाया भारी मलबा

हिसार। शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने के प्रयासों के तहत 'हमारा प्यार-हिसार' टीम ने रविवार को डाबड़ा चौक फ्लाइओवर के नीचे अपना साप्ताहिक सफाई व पेंटिंग अभियान जारी रखा। अभियान के दौरान नगर निगम के स्प्रिंक्लर ट्रक की मदद से फ्लाइओवर के पिलर्स को धोकर साफ किया गया। वहीं, जेसीबी मशीन के जरिए कई ट्रॉली मलबा हटाकर क्षेत्र को व्यवस्थित किया गया। इस अभियान में सर्वोदय अस्पताल, सीएमसी अस्पताल और स्थानीय दुकानदारों ने सक्रिय सहयोग दिया। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के अभियान शहर को न केवल स्वच्छ बनाएंगे बल्कि नागरिकों में जागरूकता भी बढ़ाएंगे। यह पहल शहरवासियों के सामूहिक प्रयास और सहयोग की अनुकरणीय मिसाल है, जो हिसार को और भी आकर्षक और स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. एसके गर्ग, राजेंद्र गहलोत, एमएल गर्ग, ममता छाबड़ा, अनुराधा, विजय कादियान, मनीष गोयल, गगन मेहता, सत्येंद्र यादव, युद्धवीर पान्नु, मंदीप पुनिया, अनिल कुमार, नोहित कोहली, मोलिक गोयल, रवि, पवन, नवप्रीत, जिज्ञासा, आराध्या, आकांक्षा, तन्वी, भव्या आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कृषि में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हकृवि लगातार प्रयासरत : प्रो. बीआर कंबोज

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक ने 4 स्टार्टअप्स के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रुपये की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि यह एबिक इनोवेशन आधारित एग्री स्टार्टअप्स के लिए ऐसा प्लेटफार्म है, जहां कृषि या कृषि से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान तथा महिला उद्यमी अपने कृषि व्यापार को बढ़ावा दे सकते हैं। इस केन्द्र के द्वारा नव उद्यमियों को आवश्यक तकनीकी, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग सेवाएं प्रदान की जाती है जिससे वे अपनी कृषि व्यवसाय को सफलतापूर्वक बाजार में उतार सकें और अपने क्षेत्र में स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन कर सकें। कुलपति ने बताया कि कृषि अब पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार मूल्य संवर्धन और तकनीकी उन्नयन का आधुनिक क्षेत्र बन चुकी है। यदि हमारे युवा उद्यमिता की भावना के साथ आगे बढ़ते रहे तो वह रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने बताया कि एबिक के माध्यम से अब तक हुए कुल 7 कोहार्टस में 77 स्टार्टअप्स को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 10 करोड रुपए की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है जिनमें से कई स्टार्टअप सफलतापूर्वक आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के साथ स्टार्टअप्स एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के नियंत्रक अधिकारी एवं हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय अब केवल शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि एबिक द्वारा युवाओं/विद्यार्थियों को अपने नए आइडिया के साथ व्यवसाय शुरू करने एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर कोहार्ट में छात्र कल्याण प्रोग्राम, पहल और सफल कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण और चार से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि देने का प्रावधान किया गया है।

चार स्टार्टअप्स के साथ एमओयू किए गए : डॉ. राजेश गेरा

एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि जिन चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए है उनमें महेंद्रगढ निवासी योगेंद्र कुमार की कंपनी वाईएमडब्ल्यू फूड प्राइवेट लिमिटेट को 12 लाख रुपए, यह स्टार्टअप मशरूम के मूल्य संवर्धन पर कार्य कर रहा है, जिसके अंतर्गत मशरूम-कोटेड स्नैक्स, मशरूम पाउडर तथा मशरूम आधारित नमकीन एवं मिठाई जैसे उत्पाद विकसित कर रहा है और साथ ही किसानों को भी प्रशिक्षण देकर उनकों भी उद्यमिता की तरफ अग्रसर कर रहा है। पानीपत निवासी रामावतार की कंपनी आस एग्रो को 25 लाख रुपए, इस स्टार्टअप ने मशरूम उत्पादन एवं अन्य कृषि कार्यों के लिए कंपोस्ट तैयार करने के लिए डीजल इंजन संचालित चार-पहिया मशीन विकसित की है। यह मशीन श्रम लागत को कम करने तथा कंपोस्ट निर्माण की दक्षता बढ़ाने में सहायक है। हिसार के प्रदीप की कंपी ओरिक इंनीशिएटिव, हिसार एलएलपी को 20 लाख रुपए, यह स्टार्टअप केले की वैल्यू चेन में होने वाली फसलोपरांत (पोस्ट-हार्वेस्ट) हानियों को कम करने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्राकृतिक पकने की प्रक्रिया का अनुकरण करता है। यह तकनीक समान रूप से पकाव सुनिश्चित करती है, शेल्फ लाइफ बढ़ाती है तथा किसानों को बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने में सहायता करती है। पंचकुला की दिब्बा व विनीत कुमार की कंपनी पर्वा इम्यूनोकेयर प्राइवेट लिमिटेड को पांच लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। इस स्टार्टअप ने जीवित प्रोबायोटिक फॉर्मुलेशन विकसित किए हैं, जिनमें अनाज एवं बेरी आधारित प्रोबायोटिक पेय शामिल हैं जो पाचन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में सहायक हैं। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा, विक्रम सिंधु व राहुल दुहन उपस्थित रहे।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग की एलुमनी मीट संपन्न

भावनाओं, स्मृतियों व उपलब्धियों का अवसर है एलुमनाई मीट : प्रो. संदीप

- कार्यक्रम में लगभग 150 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया
- पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। फिजियोथेरेपी विभाग की एलुमनाई मीट का शुभारंभ करते मुख्यतिथि प्रो. संदीप राणा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों के साथ अतिथिगण।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी विभाग की एलुमनाई मीट का आयोजन रविवार को विश्वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में किया गया। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने अपने संदेश में कहा कि एलुमनाई मीट अतीत और वर्तमान के बीच एक शक्तिशाली सेतु है। पूर्व विद्यार्थियों की सफलता की कहानियां न केवल वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरित करती हैं, बल्कि शिक्षकों की मेहनत और विभाग की गुणवत्ता का भी सशक्त प्रमाण हैं। गुजविप्रौवि का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को ऐसे जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है, जो समाज व राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कुलपति के सलाहकार प्रो. संदीप राणा इस अवसर पर मुख्यतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत ने की। प्रो. संदीप राणा ने अपने संबोधन में कहा कि एलुमनाई मीट केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं होता, बल्कि भावनाओं, स्मृतियों व उपलब्धियों का अवसर होता है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय महान संत एवं पर्यावरणविद् गुरु जम्भेश्वर जी महाराज की पावन शिक्षाओं से प्रेरणा ग्रहण करता है। प्रकृति संरक्षण, अनुशासन, नैतिकता और समाज सेवा के उनके आदर्श गुजविप्रौवि की शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला हैं।

डीन एलुमनाई रिलेशंस प्रो. कर्मपाल नरवाल ने अपने सम्बोधन में पूर्व विद्यार्थियों के साथ निरंतर जुड़े रहने तथा मेंटरिंग, इंटर्नशिप एवं शोध सहयोग के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने का आह्वान किया। डीन प्रो. सुमित्रा सिंह ने चिकित्सा शिक्षा में फिजियोथेरेपी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विभाग की शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धियों की सराहना की।

फिजियोथेरेपी विभाग की स्थापना व विकास यात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी दी

विभागाध्यक्षा प्रो. जसप्रीत कौर ने अपने स्वागत संबोधन में फिजियोथेरेपी विभाग की स्थापना व विकास यात्रा के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा बताया कि विभाग के पूर्व विद्यार्थी देश-विदेश में शिक्षा उद्योग, प्रशासन, अनुसंधान, उद्यमीयता तथा सामाजिक सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। इसी कड़ी में विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो.जसप्रीत कौर ने कहा कि यह जो कार्यक्रम सफल हो पाया इसके पीछे हमारे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई जी का निरंतर मार्गदर्शन रहा है जिसके परिणाम स्वरूप यह कार्य सफलतापूर्वक एक उद्देश्य के साथ पूर्ण हो सका। इस कार्यक्रम में लगभग 150 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभाग के विद्यार्थियों ने पूर्व विद्यार्थियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पूर्व विद्यार्थियों ने विभाग की अपनी यादें सांझा की तथा कहा कि यहीं से प्राप्त शिक्षा और संस्कारों के कारण ही वे आज विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हो सके हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को अपना भविष्य निर्माता बताते हुए आश्वासन दिया कि वे वर्तमान विद्यार्थियों को प्लेसमेंट और मार्गदर्शन में सहयोग करेंगे। प्रो. शबनम जोशी ने सभी का धन्यवाद किया।

समाज व राष्ट्र को गुरुकुलों और आर्य समाज की नितांत आवश्यकता : सुरेंद्र पूनिया

गुरुकुल कुंभा खेड़ा में वार्षिकोत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बरवाला

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामन्त्री सुरेन्द्र पूनिया ने कहा है कि गुरुकुल और आर्य समाज वह फैक्ट्री है, जहां से चरित्रवान, बलिष्ठ, संस्कारवान तथा अनुशासित युवकों का निर्माण होता है । इन्हीं तपे हुए नवयुवकों के कंधों पर देश का भविष्य निर्भर है। सुरेन्द्र पूनिया रविवार को गुरुकुल कुम्भाखेड़ा में आयोजित वार्षिकोत्सव के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर उपस्थित श्रोताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र को गुरुकुलों तथा आर्य समाज की नितान्त आवश्यकता है। लगातार पतित हो रहे समाज को इसी प्रकार की संस्थाएं सही दिशा और सही मार्ग का ज्ञान दे सकती है। गुरुकुल नई पीढ़ी के भविष्य के निर्माण का पुनीत एवं पवित्र कार्य कर रहे है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने बच्चों को इस प्रकार की संस्थाओं से जोड़ना चाहिए।

बरवाला। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पुनिया को सम्मानित करते आचार्य व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ब्लॉक समिति चेयरमैन अनूप घनघस, मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रवीण सैनी, प्रदेश सचिव विपिन लोहिया, प्रधान डॉ. देशराज बरवाला, परमीत पूनिया, मंडल प्रधान मोनू संदूजा, रामनिवास वर्मा, आजाद सिंह खेड़ी बरकी, अजीत, कुलबीर सिंह, डॉ. जयवीर कुम्भाखेड़ा, होशियार सिंह आर्य कुम्भाखेड़ा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पेट्रोल पर 16% व डीजल पर 9% वैट करे सरकार : बजरंग गर्ग

हिसार। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा है भाजपा सरकार ने हरियाणा में पेट्रोल व डीजल पर वैट कर में बढ़ोतरी करके जनता पर आर्थिक बोझ डाला है। सरकार को हरियाणा के वार्षिक बजट में पहले की तरह पैट्रोल पर 16 प्रतिशत व डीजल पर 9 प्रतिशत वैट कर करना चाहिए। बजरंग गर्ग यहां व्यापारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के वार्षिक बजट में बढ़ाए गए टैक्सों को कम करने पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस के राज में पैट्रोल पर लगभग 16 प्रतिशत व डीजल पर लगभग 9 प्रतिशत वैट कर होता था। भाजपा सरकार ने हरियाणा में सरकार बनने पर पेट्रोल पर 26.25 प्रतिशत व डीजल पर 16.8 प्रतिशत टैक्स लगाकर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम किया है जो सरासर गलत है।

कैबिनेट मंत्री पर रणबीर गंगवा पर धोखे का आरोप

मोर्चा ने किया प्रदर्शन का ऐलान

हिसार। मंत्री से मिलने जाते निर्माण मजदूर मोर्चा के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

निर्माण मजदूर की समस्याओं को लेकर संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा ने कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा से मुलाकात की। मोर्चा ने मंत्री को मजदूरों की विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया। मोर्चा नेताओं का कहना था कि निर्माण मजदूर का पोर्टल लगभग 9 महीने से बंद है। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा ने 17 ओर 18 जनवरी को उपायुक्त कार्यालय पर दो दिवसीय पड़ाव लगाया था। इसके दबाव में कैबिनेट मंत्री ने 24 जनवरी को यूनियन के पदाधिकारी से बातचीत करके पोर्टल को जल्द से जल्द खुलवाने की बातचीत कहीं परंतु एक महीना बीत जाने के बाद भी पोर्टल नहीं खुला है। मिलने गए मजदूर नेताओं के अनुसार मंत्री ने उन्हें कहा है कि उन्होंने आपका कागज भेज दिया है, जबकि उन्हें मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री से बातचीत करके मजदूरों की समस्याओं से अवगत करवाकर मजदूरों के पोर्टल को खुलवाना था। उन्होंने जो 24 जनवरी को बातचीत करके मीटिंग में आश्वासन दिया था, वह सरासर मजदूरों के साथ धोखा है। ऐसे में निर्माण मजदूर संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के बैनर तले 28 फरवरी को हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज के आवास अंबाला कैंट पर प्रदर्शन करेंगे।

गंगवा से की मुलाकात

मंत्री ने मिलने गए प्रतिनिधिमंडल में भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा सीटू से राज्य प्रधान मनोज सोनी, लीलू राम जांगड़ा, हिसार तहसील सचिव राकेश गंगवा, वीरेंद्र दुर्जनपुर, सुरेश शास्त्री नगर, फूल सिंह चंद्रलोक कॉलोनी, रामकुमार, इंटक से धर्मबीर सिंह लोहान, कृष्ण कुमार नैन, जोरा सिंह पाबड़ा, नरेश कुमार भुक्कल, केसर गहलोत, धर्मबीर कुलेरी, अशोक कुमार, अनूप सारंगपुर, नरेंद्र बांडाहेड़ी आदि शामिल रहे।

'उधार का पति' नाटक को खूब सराहा

- कला एवं संस्कृति विभाग हरियाणा के सहयोग से जोरबा थिएटर में हुआ मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। नाटक का मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

कला एवं संस्कृति विभाग हरियाणा के सहयोग से जोरबा थिएटर में 'उधार का पति' नाटक का मंचन किया गया। यह नाटक विख्यात नाटककार वनमाला बावलकर द्वारा लिखित है और इसमें सशक्त एवं प्रभावशाली निर्देशन राज बहादुर आर्य द्वारा किया गया। हास्य-व्यंग्य से भरपूर नाटक को दर्शकों ने अत्यंत सराहा और प्रस्तुति के दौरान सभागार में उनकी बार-बार तालियां गूंजती रही। कलाकारों के जीवंत अभिनय और सटीक संवाद अदायगी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। नाटक में मुख्य भूमिकाएं जय कुमार शर्मा, मेजर ईशा, अक्षय कौशिक, बिंदिया, सुनील, सुमन, सपना, प्रशांत, संदीप तथा सूरज कुमार ने निभाईं। कलाकारों ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से पात्रों को जीवंत बना दिया। नाटक का संगीत अपूर्व द्वारा दिया गया, जिसने प्रस्तुति को और अधिक प्रभावशाली बनाया। इस अवसर पर प्रख्यात रंगकर्मी एवं जोरबा थिएटर के संचालक गुलशन भुटानी, मनीष जोशी तथा हरियाणा की उभरती महिला मंच कलाकार विभोर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समापन पर दर्शकों ने पूरी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की तथा निर्देशक राज बहादुर आर्य के निर्देशन को अत्यंत सराहनीय बताया।

शिविर में 180 नेत्र रोगियों की जांच

उकलाना। लायंस क्लब उकलाना प्रताप द्वारा डॉ. पीएस सांगवान मैमोरियल ट्रस्ट के सहयोग से निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्थानीय सांगवान अस्पताल में आयोजित हुआ, जहां हिसार के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉ. संदीप ने क्षेत्र के करीब 180 मरीजों की आंखों की जांच की। 79 मरीजों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। चयनित मरीजों को आयोजकों द्वारा हिसार ले जाकर उनके नेत्र ऑपरेशन करवाए जाएंगे। ऑपरेशन के दौरान आने वाला समस्त खर्च क्लब एवं ट्रस्ट द्वारा वहन किया जाएगा। प्रोजेक्ट चेयरमैन लॉयन नफे सिंह नैन एवं लॉयन जसकरण तूर ने बताया कि शिविर में जन स्वास्थ्य विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर संजीव कुमार त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित किया

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधरोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भुमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरुकता और सेवा भाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयं सेविकाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे पूरे समर्पण और उत्साह के साथ शिविर की गतिविधियों में भाग लें तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आगे आएं। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने पौधारोपण करने के पश्चात स्वच्छता रैली भी निकाली। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनु व सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोना वर्मा ने शिविर की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

महिला काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन

'आज तुम्हारे गाल पर, मल दूं रंग-गुलाल...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

महिला काव्य मंच हिसार इकाई के द्वारा फरवरी माह की मासिक काव्य गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी में महिला काव्य मंच की राष्ट्रीय महासचिव सीमा शर्मा मुख्य अतिथि व मंच की करनाल अध्यक्ष ममता प्रवीण विशिष्ट अतिथि रही। गोष्ठी की अध्यक्षता एवं मंच संचालन मंच की अध्यक्ष पूनम मनचंदा ने किया।

मां शारदे की वंदना के उपरांत कवयित्री सीमा शर्मा ने अपनी रचना 'आज तुम्हारे गाल पर, मल दूं रंग-गुलाल, संग प्रीत भी घोल लूं, सजनी चल इस साल' सुनाकर सभी का मन मोह लिया।कवयित्री ममता प्रवीण ने अपनी रचना 'रिश्ते, नाते, बातें, यादें तुम झट संवार देती हो, चोट हो चाहे कितनी गहरी फट पहचान लेती हो' से सभी की वाहवाही पायी। कवयित्री ज़िया सोनी ने अपनी कविता 'तुम अबला नहीं, शक्ति हो नारी तुम अलंकार नहीं, आधार हो नारी' सुनाकर सबका दिल जीत लिया। कवयित्री विनीता गर्ग ने अपनी रचना 'कैसी ये विडम्बना है छाई, क्यूं बेटी होती है पराई, पलती है जिस घर में वो, क्यूं होती उसकी विदाई' सुना सभी की सराहना पायी। कवयित्री नीरज सोरखी ने अपनी खूबसूरत भावपूर्ण रचना 'सो ही जाता है ये भी रात के आग़ोश में, दिन भर का बोझ ओढ़े, शहर जब घर लौटता है' सुनाई। कवयित्री दीपिका राठी ने अपनी रचना 'रोजगार की तलाश में, रह गया चैन पीछे, मिला जो रोजगार का पहला पायदान तो, पर परिवार रह गया नीचे' से भौतिकता की दौड़ का खूबसूरत चित्रण किया।

सभी ने खूब समां बांधा

दविना ठकराल ने रचना 'होता नहीं सबर अब हम से, अबकी आ जाओ होली में, मन पर रगं प्रेम का छाया, तन मन भीगा होली में' से खूब समां बांधा। कवयित्री स्नेह प्रेमचंद ने अपनी रचना 'होली पर्व है उल्लास का, अपनत्व के अहसास का, होली पर्व है स्नेह अनुराग का स्थान पुष्प में हो जैसे पराग का' के माध्यम से होली के पर्व को जीवंत कर दिया। कवयित्री डिंपल सुंडा ने अपनी रचना 'एक अजीबोगरीब सी कहानी है मेरी, अक्सर जहन में गूंजता है एक सवाल, के क्या मैं अपनी अजीबोगरीब कहानी की नाइका बनूं?' कवयित्री खुशबू जैन ने अपनी रचना 'जीना सदा हमें, शेरों की तरह' सुनाकर सब की वाह वाही पायी। उषा ठकराल ने अपनी रचना 'ईश्वर के समान है नारी,सृष्टि के सृजन को गोद में पालती है नारी' सुनाकर सभी की तालियां पायी। पूनम मनचंदा ने सस्वर अपनी रचना 'रंग खुशियों के दिल में निखरने दो, धड़कनों को दिलों में संवरने दो, दूर कर दो कलुष जो लगा दिल पे, रंग होली के यारो बिखरने दो' सुनाकर समां बांध दिया।

शिविर में 100 से अधिक गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य जांचा

बरवाला। हंस नगर मार्ग पर स्थित नेशनल हॉस्पिटल में नेशनल हॉस्पिटल के संस्थापक कृष्ण दूहन के पिता स्वर्गीय चौधरी रतन सिंह दूहन की जयंती के उपलक्ष्य में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्र की गर्भवती माताओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ नैशनल अस्पताल के संस्थापक कृष्ण दूहन, अस्पताल इंचार्ज डॉ. प्रीति एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. त्रिभुवन पारीक द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस शिविर के दौरान स्त्री एवं प्रसूति विभाग के डॉ. पुष्पा गोदारा एवं डॉ. नीतू सांगवान द्वारा लगभग 100 से अधिक गर्भवती महिलाओं की विस्तृत जांच एवं परामर्श किया गया। शिविर में गर्भवती माताओं को सुविधाएं प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध रही।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005